मेरी प्यारी चुहिया

लिडा दिजकेसत्रा, चित्र: पिएट गरोबलेर
हिंदी: इंदुजी





मेरी प्यारी चुहिया

लिडा दिजकेसत्रा, चित्र: पिएट गरोबलेर
हिंदी: इंदुजी







कई वर्ष पहले एक सन्यासी एक छोटी नदी के तट पर बनी अपनी कुटिया में रहता था. वह सन्यासी पशुओं और अन्य प्राणियों से बातें कर सकता था पर यह आश्चर्यजनक नहीं था. सच तो यह है कि उसकी हर इच्छा का पूरा होना उतना ही स्वाभाविक था जितना स्वाभाविक सूर्य का हर दिन उदय होना था.

एक दिन घास पर लेटा वह ऊपर नीले आकाश को निहार रहा था कि अचानक एक उल्लू, जिसने अपने पंजों में एक चुहिया को पकड़ रखा था, आकाश में दिखाई दिया. सन्यासी को देख कर उल्लू इतना भयभीत हो गया कि उसने चुहिया को छोड़ दिया और वह नीचे घास की ओर गिरने लगी.



सन्यासी उछला और उसने अपने लबादे को फैला कर चुहिया को उसमें पकड़ लिया. छोटी चुहिया ने कृतज्ञतापूर्वक उसकी ओर देखा जिसने उसकी जान बचाई थी. “नन्ही चुहिया,” सन्यासी ने कहा, “मुझे ऐसा लगता है कि जैसे मैं वर्षों से तुम्हें जानता हूँ. अगर तुम एक छोटी लड़की होती तो हम खूब मज़े करते. मैं तुम्हें अपनी बेटी समान पालता.” उसने ऐसा कहा ही था कि उसकी इच्छा पूरी हो गई.

“शुभ दिवस, पिताजी,” नन्ही मिस्सीमाउस ने कहा. “आज दुपहर के भोजन में हम क्या खायेंगे? और...क्या मैं देर रात तक जाग सकती हूँ?”













एक साल बीत गया. एक छोटी नदी के तट पर बने छोटे से घर में सन्यासी और उसकी बेटी नन्ही मिस्सीमाउस बहुत खुश थे. सन्यासी ने नन्ही मिस्सीमाउस को वह सब सिखाया जो वह जानता था. उसने उसे सिखाया कि भोजन की खोज कैसे की जाती है. तारों के बारे में और मनुष्यों और पशुओं के बारे में भी सन्यासी ने उसे बताया.

फिर एक दिन सन्यासी ने उससे कहा, “मेरी प्यारी चुहिया, मुझे लग रहा है कि मेरे जीवन के अब थोड़े दिन ही बचे हैं. यह उचित समय है कि हम तेरे लिए पति ढूंढें, एक ऐसा पति जो तुम्हें प्यार करेगा और मेरे जाने के बाद तुम्हारी देखभाल करेगा.”

नन्ही मिस्सीमाउस ने गर्व के साथ कहा, “अपनी देखभाल करने के लिए मुझे किसी की ज़रूरत नहीं है. लेकिन अगर मुझे किसी के साथ विवाह करना ही है तो धरती पर या इसके ऊपर वह सबसे बलशाली जीव होना चाहिए.”





सन्यासी को समझ न आया कि वह इस बात का क्या उत्तर दे. धरती पर या इसके ऊपर सबसे बलशाली जीव. वह कौन हो सकता है? वह सारा दिन और सारी रात सोचता रहा. फिर उसने कहा, “मेरी प्यारी चुहिया, आखिरकार मुझे पता लग गया है कि कौन सबसे बलशाली है.” इतना कह कर उसने बेटी का हाथ पकड़ा और उसे घर से बाहर ले आया.









सन्यासी और नन्ही मिस्सीमाउस एक पेड़ पर चढ़ कर ऊपर सूर्य की ओर गए और वह सूर्य के इतने निकट पहुँच गए जितना निकट अब तक कोई न पहुँचा था.

"मित्र सूर्य," सन्यासी ने पुकार कर कहा, "तुम आकाश में सबसे ऊपर हो और वहाँ से सारी दुनिया को और सारे राजाओं और राजकुमारों को देख सकते हो, तुम निश्चय ही सबसे बलशाली हो. क्या तुम मेरी प्यारी चुहिया से विवाह करोगे?"

"मैं निःसंदेह विवाह करना चाहूँगा," सूर्य ने कहा, "लेकिन मैं सबसे बलशाली नहीं हूँ. नीले आकाश में घूमता वह बड़ा बादल मेरे से अधिक बलशाली है, वह जब चाहे मुझे ढक सकता है. इसलिए वह मुझसे अधिक बलशाली है."







सन्यासी और नन्ही मिस्सीमाउस उस बड़े बादल की ओर चल दिए. “मित्र बादल,” सन्यासी ने कहा, “तुम धरती पर होने वाली वर्षा का और अकाल के समय का नियन्त्रण करते हो. निश्चय ही तुम सबसे बलशाली हो. क्या तुम मेरी प्यारी चुहिया से विवाह नहीं करना चाहोगे?”

“तुम मेरा बहुत सम्मान कर रहे हो,” बादल ने कहा, “लेकिन निश्चय ही मैं सबसे बलशाली नहीं हूँ, जब आंधी चलती है तो वह मुझे हर ओर बिखरा देती है और अंत में मेरा कुछ भी नहीं बचता.”

जहाँ आंधी सबसे उग्र थी वहाँ तक पहुँचने के लिए सन्यासी और नन्ही मिस्सीमाउस को भयंकर आंधी के विरूद्ध बहुत संघर्ष करना पड़ा.

“मित्र आंधी,” सन्यासी ने आंधी के शोर से भी ऊँची आवाज़ में कहा, “तुम बड़े-बड़े पेड़ों को जड़ों समेत उखाड़ सकती हो और बड़े-बड़े जहाज़ों को चट्टानों पर ला पटक सकती हो. निश्चय ही तुम सबसे बलशाली हो. क्या तुम मेरी प्यारी चुहिया से विवाह नहीं करना चाहोगे?”

“इससे विवाह करके मुझे बहुत प्रसन्नता होगी,” आंधी ने कहा, “लेकिन में वास्तव में मैं सबसे बलशाली नहीं हूँ क्योंकि मैं एक विशाल पहाड़ को हिला भी नहीं सकती. और अगर मैं उसके निकट जाती हूँ तो पहाड़ से टकरा कर मैं पूरी तरह बिखर जाती हूँ.”

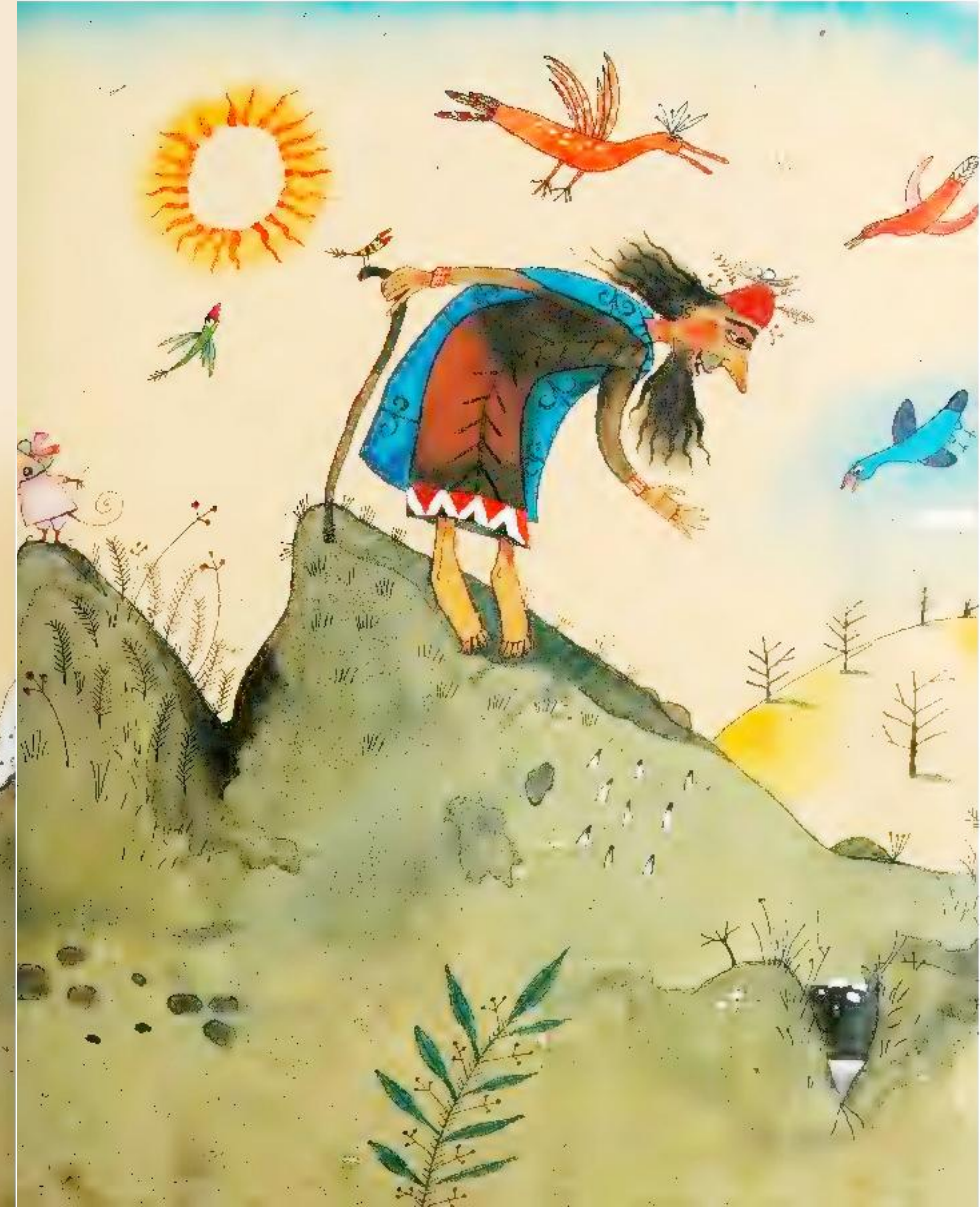




सन्यासी और नन्ही मिस्सीमाउस एक ऊँचे पहाड़ पर धीरे-धीरे चढ़ गए. “मित्र पहाड़, तुम सबसे बलशाली हो,” सन्यासी ने कहा, “क्या तुम मेरी प्यारी चुहिया से विवाह नहीं करना चाहोगे?”

“हा-हा!” पहाड़ ज़ोर से हंसा. “क्या तुम्हें सच में लगता है कि मैं सबसे बलशाली हूँ? क्या मज़ाक कर रहे हो? एक भयंकर जीव मुझे लगातार भीतर से कुतरता रहता है. इस दानव के कारण मेरे बचने की कोई आशा नहीं है. तुम्हें अपनी चुहिया का विवाह उस दानव से करना चाहिए क्योंकि वह हम सबसे अधिक बलशाली है.”







"एक भयंकर जीव!" नन्ही मिस्सीमाउस ने घबराते हुए कहा. "एक दानव जो एक विशाल पहाड़ को भी नष्ट कर सकता है? नहीं बापू, इससे तो अच्छा है कि मैं सारा जीवन में अविवाहित ही रहूँ."

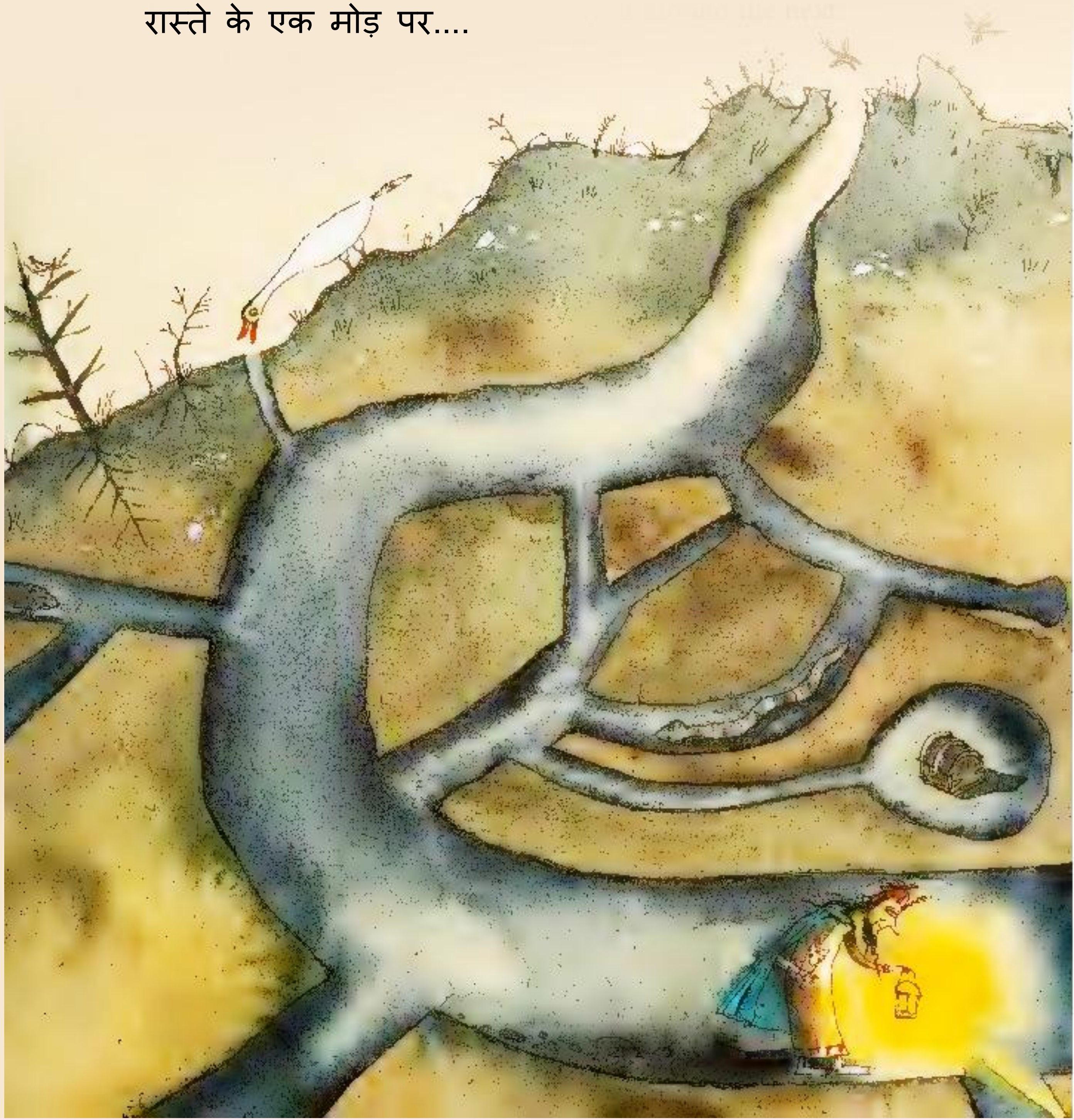
"बिलकुल नहीं!" सन्यासी ने कहा.



"मैंने सूर्य से और बादल से और आंधी से और पहाड़ से ऐसे ही निवेदन नहीं किया था. तुम सबसे बलशाली प्राणी से विवाह करना चाहती हो तो हम उसे खोज कर ही रहेंगे, इसी समय!"



दो पत्तों के समान (एक बड़ा पत्ता और एक छोटा पत्ता) कांपते हुए, पिता और पुत्री ने पहाड़ के भीतर जाने का रास्ता खोज लिया और पहाड़ के अंदर जाने लगे. फिर अचानक दोनों रास्ते में ठिठक कर रूक गए. उस रास्ते के एक मोड़ पर....





......एक चूहा था.

एक चूहा?

“अरे सुनो!” चूहे ने कहा, “ज़रा एक ओर हट कर खड़े हो जाओ. मुझे दिखाई नहीं दे रहा कि मैं कहाँ खुदाई कर रहा हूँ.”

“मित्र चूहे,” सन्यासी ने कहा, “हम तुम से कुछ मांगना चाहते हैं......”





और इस तरह नन्ही मिस्सीमाउस ने मिस्टर माउस से उसी सप्ताह विवाह कर लिया और अब वह दोनों सन्यासी की कुटिया के पास अपने छोटे से सुंदर, आरामदायक घर में रहते हैं......

..... सन्यासी कई वर्षों तक इस धरती पर रहा और मिस्टर माउस सैंकड़ों नन्हे चूहों का दादा बना, उन सब चूहों के जो सन्यासी की बेटी, आकाश से गिरने वाली नन्ही मिस्सीमाउस, के शिशुओं के शिशु थे.

